901

801(AG)

2019
हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 70*

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1

(i) 'इलाचन्द्र जोशी' प्रसिद्ध कवि हैं।

(ii) 'सेठ गोविन्द दास' ख्याति प्राप्त एकांकीकार हैं।

(iii) 'चिरंजीत' भेंटवार्त्ताकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(iv) 'किन्नर देश में' के लेखक 'आचार्य रामचन्द्र शुक्ल' हैं।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक रचना के लेखक का नाम लिखिए : 1

(i) 'अथाह सागर' (ii) 'ठूँठा आम'

(iii) 'अर्द्धनारीश्वर' (iv) 'मकरंद बिन्दु'

[P.T.O.

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो के संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

(i) सन्तोष उत्तम सुख है।

(ii) तुम कब हँसोगे।

(iii) अपवित्रता से दरिद्रता बढ़ती है।

(iv) हमें देशभक्त होना चाहिए।

(v) पेड़ से फल गिरते हैं।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) सुरक्षित यात्रा

(ii) प्रदूषण की समस्या

(iii) विद्यालय पुस्तकालय का महत्व

(iv) किसी मेले का वर्णन

(v) स्वच्छता स्वास्थ्य की जननी है।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्रांकन कीजिए।

(ख) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर आजाद का चरित्रांकन कीजिए।

(ग) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के वनगमन सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(क) रानी मैं जानी अजानी महा, पति पाहन हूँ ते कठोर हियो है।
राजहु, काज अकाज न जान्यो, कह्यो तिय को जिन कान कियो है।।
ऐसी मनोहर मूरति ये, बिछुरे कैसे प्रीतम लोग जियो है ?
आँखिन में सखि : राखिबे जोग, इन्हें किमि कै बनवास दियो है।।

(ख) सेना-नायक राणा के भी,
रण देख देख कर चाह भरे।
मेवाड़ सिपाही लड़ते थे
दूने तिगुने उत्साह भरे।।
क्षण भार दिया कर कोड़े से
रण किया उतर कर घोड़े से।
राणा रण कौशल दिखा-दिखा,
चढ़ गया उतर कर घोड़े से
क्षण भीषण हलचल मचा मचा
राणा-कर की तलवार बढ़ी
था शोर रक्त पीने का यह
रणचण्डी जीभ पसार बढ़ी।।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2+1=3

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(ii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
(iii) भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उसकी किसी एक रचना का नामोल्लेख कीजिए : 2+1=3

(i) सूरदास
(ii) सुमित्रानन्दन पंत
(iii) सुभद्रा कुमारी चौहान

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग (माँ-बेटा) की कथा अपने शब्दों में लिखिए।
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ङ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'आग्रोजय' सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्रांकन कीजिए।

(छ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के अरावली सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के नायक के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(ज) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र के चारित्रिक गुणों का उल्लेख कीजिए।

(झ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस की चरित्रगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

अपनी कृतियों को देवनागरी में छपवाने लगें तो उनका स्वाद लगभग सारे उत्तर भारत के लोग आसानी से ले सकेंगे, क्योंकि इन सब भाषाओं में इतना साम्य है कि एक भाषा का अच्छा ज्ञाता दूसरी भाषा की कृतियों को स्वल्प परिश्रम से समझ जायेगा।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों में से किसी एक अंश की *व्याख्या* कीजिए।

(iii) कृतियों को देवनागरी लिपि में छपवाने का क्यों सुझाव दिया गया है?

(ख) दूसरों को गिराने की कोशिश तो अपने को बढ़ाने की कोशिश नहीं कही जा सकती। एक बात और है कि संसार में कोई व्यक्ति निन्दा से नहीं गिरता। उसके पतन का कारण सद्गुणों का ह्रास होता है। इसी प्रकार कोई भी मनुष्य दूसरों की निन्दा करने से अपनी उन्नति नहीं कर सकता। उन्नति तो उसकी भी तभी होगी, जब वह अपने चरित्र को निर्मल बनाये तथा अपने गुणों का विकास करे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों में से किसी एक अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) मनुष्य की उन्नति का क्या कारण बताया गया है?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य-सौन्दर्य भी लिखिए। 1+4+1=6

6. निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए: 1+3=4

अस्माकं संस्कृतिः सदा गतिशीला वर्तते। मानव जीवनम् संस्कर्तुम एषा यथासमयं नवां नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्तिं च प्राप्नोति। अत्र दुराग्रह नास्ति, यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्षं गृहीतं भवति। एतस्याः गतिशीलतायाः रहस्यं मानव जीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः विचारेषु औदार्यम् आचारे दृढ़ता चेति।

अथवा

सार्थः प्रवसतो मित्रं भार्या मित्रं गृहे सतः।
आतुरस्य भिषक् मित्रं दानं मित्रं मरिष्यतः॥

7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कंठस्थ किया हुआ एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संस्कृत में दीजिए: 1+1=2

(i) चन्द्रशेखरः कः आसीत्।

(ii) पुरुराजः कः आसीत्।

(iii) स्वर्णस्य किं मुख्यं दुःखम् अस्ति?

(iv) वाराणसी कस्याः भाषायाः केन्द्रस्थली अस्ति?

(v) हंसस्य किं कुलव्रतम् अस्ति?

8. (क) 'करुण' अथवा 'हास्य' रस की सोदाहरण परिभाषा लिखिए। 2

(ख) 'रूपक' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण तथा उदाहरण दीजिए। 2

(ग) 'सोरठा' अथवा 'रोला' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए: 1+1+1=3

(i) अव (ii) अप (iii) उप
(iv) सह (v) अभि (vi) सु

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए: 1+1=2

(i) ता (ii) पल (iii) वा (iv) हट (v) वट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए: 1+1=2

(i) चौमासा (ii) पवनपुत्र
(iii) पाप-पुण्य (iv) अल्पज्ञान

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए: 1+1=2

(i) मोर (ii) भौरा (iii) बिच्छू (iv) कंधा

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: 1+1=2

(i) अग्नि (ii) हवा (iii) रात्रि (iv) बादल

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि-विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए: 1+1=2

(i) स्वागतम् (ii) देवैश्वर्यम्
(iii) गुर्वादेश: (iv) महौजः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के सप्तमी विभक्ति बहुवचन के रूप लिखिए: 1+1=2

(i) महि अथवा फल
(ii) तद् (पुल्लिंग) अथवा युष्मद् (तुम)

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए: 2

(i) पठेयम् (ii) हसिष्याव: (iii) पचेम (iv) पश्याम:

(ग) 'शेखर : एक जीवनी' किस विधा की रचना है? 1

(घ) किसी एक 'डायरी' लेखक का नाम लिखिए। 1

(ङ) 'कलम का सिपाही' के रचनाकार का नाम लिखिए। 1

2. (क) रीतियुक्त किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए। 2

(ख) प्रयोगवादी काव्यधारा की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 2

(ग) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी एक रचना के लेखक का नाम लिखिए:

(i) 'साहित्य लहरी' (ii) 'लोकायतन'
(iii) 'रश्मि' (iv) 'त्रिधारा'
(v) 'जमीन पक रही है'

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=6

(क) वर्तमान युग में भारतीय संस्कृति के समन्वय के प्रश्न के अतिरिक्त यह बात भी विचारणीय है कि भारत की प्रत्येक प्रादेशिक भाषा की सुन्दर और आनन्दप्रद कृतियों का स्वाद भारत के अन्य प्रदेशों के लोगों को कैसे चखाया जाय। मैं समझता हूँ कि इस बारे में दो बातें विचारणीय हैं। क्या इस सम्बन्ध में यह उचित नहीं होगा कि प्रत्येक भाषा की साहित्यिक संस्थाएँ उस भाषा की कृतियों को संघ-लिपि अर्थात् देवनागरी में छपवाने का आयोजन करें। मुझे विश्वास है कि कम से कम जहाँ तक उत्तर की भाषाओं का सम्बन्ध है, यदि वे सब

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com